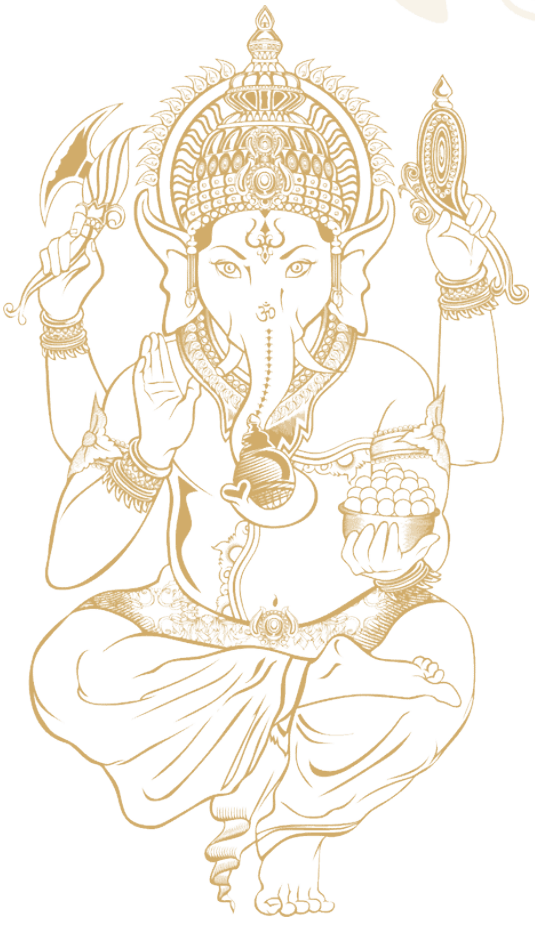

Mr.

10 Nov 2025

06:01 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120128902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/11/2025**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**06:01:00 घंटे**
इष्ट	58:23:58 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:39:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:13 घंटे
साम्पातिक काल	08:57:35 घंटे
सूर्योदय	06:39:24 घंटे
सूर्यास्त	17:30:27 घंटे
दिनमान	10:51:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	23:44:23 तुला
लग्न के अंश	14:35:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:35:19	309:24:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			तुला	23:44:23	01:00:16	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	नीच राशि
चंद्र			मिथु	25:58:56	14:06:37	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	09:48:58	00:43:18	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	12:44:05	00:02:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु			कर्क	01:01:28	00:00:20	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	09:43:54	01:15:11	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:19:30	00:01:53	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:47:57	00:03:11	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:47:57	00:03:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:47:56	00:02:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:30:18	00:00:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:24:59	00:00:46	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	17:48:41	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

केपी-सेकेण्ड अयनांश : 24:07:24

लग्न-चलित

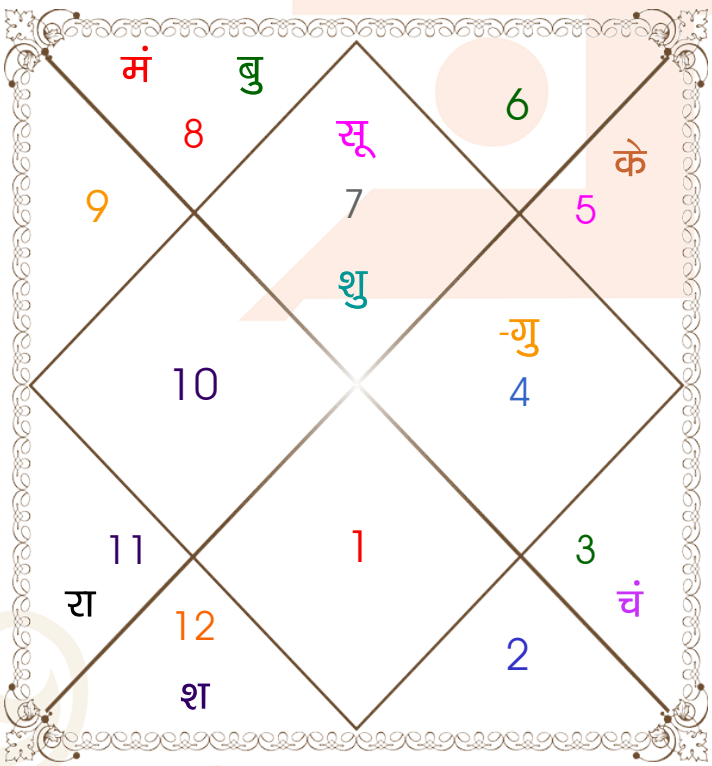

चन्द्र कुंडली

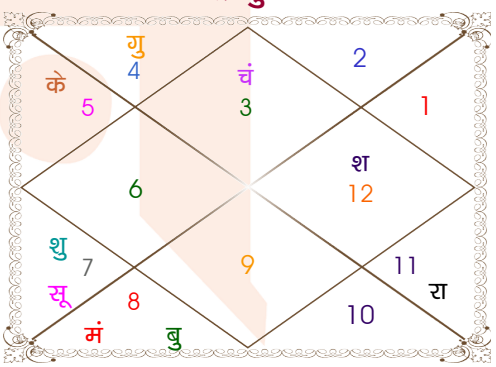

नवमांश कुंडली

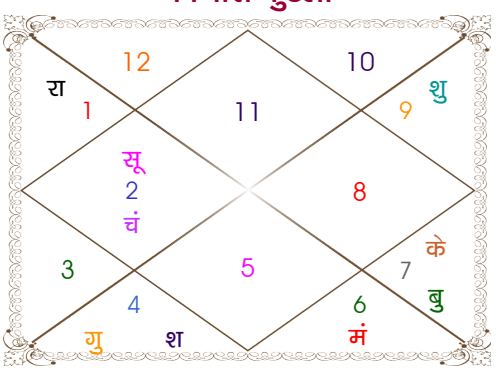

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 9 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/11/2025		06/09/2034		06/09/2053		06/09/2070		06/09/2077	
06/09/2034		06/09/2053		06/09/2070		06/09/2077		06/09/2097	
	00/00/0000	शनि	09/09/2037	बुध	02/02/2056	केतु	02/02/2071	शुक्र	05/01/2081
	00/00/0000	बुध	19/05/2040	केतु	29/01/2057	शुक्र	03/04/2072	सूर्य	05/01/2082
	10/11/2025	केतु	27/06/2041	शुक्र	30/11/2059	सूर्य	09/08/2072	चंद्र	06/09/2083
केतु	19/07/2026	शुक्र	27/08/2044	सूर्य	06/10/2060	चंद्र	10/03/2073	मंगल	05/11/2084
शुक्र	19/03/2029	सूर्य	09/08/2045	चंद्र	07/03/2062	मंगल	06/08/2073	राहु	06/11/2087
सूर्य	05/01/2030	चंद्र	10/03/2047	मंगल	04/03/2063	राहु	25/08/2074	गुरु	07/07/2090
चंद्र	07/05/2031	मंगल	18/04/2048	राहु	21/09/2065	गुरु	31/07/2075	शनि	06/09/2093
मंगल	12/04/2032	राहु	23/02/2051	गुरु	28/12/2067	शनि	08/09/2076	बुध	06/07/2096
राहु	06/09/2034	गुरु	06/09/2053	शनि	06/09/2070	बुध	06/09/2077	केतु	06/09/2097

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/09/2097		07/09/2103		07/09/2113		06/09/2120		07/09/2138	
07/09/2103		07/09/2113		06/09/2120		07/09/2138		00/00/0000	
सूर्य	24/12/2097	चंद्र	07/07/2104	मंगल	03/02/2114	राहु	20/05/2123	गुरु	25/10/2140
चंद्र	25/06/2098	मंगल	05/02/2105	राहु	21/02/2115	गुरु	13/10/2125	शनि	08/05/2143
मंगल	31/10/2098	राहु	07/08/2106	गुरु	28/01/2116	शनि	19/08/2128	बुध	13/08/2145
राहु	24/09/2099	गुरु	07/12/2107	शनि	08/03/2117	बुध	08/03/2131	केतु	11/11/2145
गुरु	13/07/2100	शनि	08/07/2109	बुध	05/03/2118	केतु	26/03/2132		00/00/0000
शनि	25/06/2101	बुध	07/12/2110	केतु	01/08/2118	शुक्र	27/03/2135		00/00/0000
बुध	02/05/2102	केतु	08/07/2111	शुक्र	01/10/2119	सूर्य	18/02/2136		00/00/0000
केतु	07/09/2102	शुक्र	08/03/2113	सूर्य	06/02/2120	चंद्र	19/08/2137		00/00/0000
शुक्र	07/09/2103	सूर्य	07/09/2113	चंद्र	06/09/2120	मंगल	07/09/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 10 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।